

तृणीकरोति (=to care a straw for), and *d. ing* those who have assembled : तृणीकृत्य च सङ्गतान्, Mah. ; (3) अतिक्रामति (क्रम् c. 1.) (=to transgress), *d. ing* the duties of her caste: अतिक्रम्य स्वकुलधर्मम्, D.

DEGENERACY, DEGENERATENESS : (1) क्षयः (=decay : q.v.) ; (2) हानिः (=loss : q.v.) ; (3) अंशः (=fall : q.v.).

DEGENERATE (adj.) : Ph. : *d. in time* : काल-विभ्रष्टः (हा, ष्ट), Kal. ; *d. Kshatriyas* : क्षत्रियापसदाः, Ve. ; *d. Brahmin* : ब्रह्मबन्धुः, Ana.

DEGENERATE (v.) : क्षीयते (pass. of क्षि) : v. To decay : (2) हीयते (pass. of हा) : v. Inferior, be- ; (3) च्यवते (च्यु, c. 1.) : v. To fall.

DEGLUTITION : (1) गिलनम् ; (2) ग्रसनम् ; (3) गीर्णः.

DEGRADATION : I. Lit. : *निम्नपदारोपणम्, or -लम्भनम्. II. Fig. : (1) क्षयः (=decay) ; (2) अवमानना (=disgrace).

DEGRADE : I. Lit. : *निम्नपदे क्षिपति (क्षिप्, c. 6.) or निम्नपदं लम्भयति (c. of लम्भ). II. Fig. : लघूकरोति or लघयति (nomi.), *shame on me d. d. by life* : मां धिग जीवितलघूकृताम्, B. *To become d. d.* : (1) लघूमवति ; (2) हीयते (pass. of हा), H.

DEGREE : I. Academical : उपाधिः. II. Position, rank : q.v. : पदम्. III. Grade : q.v. Ph. : *by d. s* : क्रमशः : v. Gradually ; *'in the highest d.'*, *'to a d.'* : निरतिशयम् : v. Exceedingly ; *in some d.* : v. Somewhat ; *in the same d. as* : v. Equally. IV. Of latitude or longitude : *कला. V. In genealogy : पुरुषः, a relation in the third d. : *त्रिपुरुषान्तरो बन्धुः.

DEIFICATION : (1) देवीकरणम् (rare) ; (2) देवत्वारोपणम् (with loc.).

DEIFIED, TO BE : (1) देवत्वम् एति ; (2) देवीभवति ; (3) त्रिदशीभवति, R.

DEIFY : (1) देवत्वम् आरोपयति (c. of रुह्) (with loc.) ; (2) देवीकरोति.

DEIGN : अर्हति (अर्ह, c. 1.), *d. to excuse this* : इदं विषोढुमर्हति, Sa. iii. : v. To condescend, please.

DEISM : ईश्वरवादः (?) ; ईश्वरवादित्वम् (?).

DEIST : ईश्वरवादिन् (f. नी) (?).

DEISTICAL : Ph. : *d. writer* : *ईश्वरवादी लेखकः ; *d. work* : ईश्वरवादविषयको ग्रन्थः.

DEITY : I. Divinity : q.v. II. A god or goddess : q.v. : देवता. III. The Supreme Being : (1) ईश्वरः ; (2) देवदेवः.

DEJECT (v.t.) : I. Lit. : to cast down : अवक्षिपति (क्षिप्, c. 6.). II. Fig. : to dispirit : विषण्णीकरोति or विषादं जनयति (c. of जन्) : v. Dejected.

DEJECTED : विषण्णः (ण्णा, ण्ण). *To be d.* : विषीदति (सद्, c. 1.), *do not be d.* : मा विषीद, Ch. ; *d. by said this* : विषीदन्निदमब्रवीत्, G.

DEJECTEDLY : (1) सविषादम् ; (2) विषण्णः (ण्णा, ण्ण) ; (3) विषीदत् (f. न्ती).

DEJECTEDNESS, DEJECTION : (1) विषादः or विषण्णता, *the demolisher seeing (his) forces in d.* : विषाद-वक्रव्यबलः प्रमाथी, Ki. ; (2) वैमनस्यम्, Sa. ; (3) परितापः (=anguish), N. xiii. 54 ; (4) निर्वेदः (=despondency).

DEULATE : I. To carry : q.v. II. To spread : q.v. III. To cause : q.v. IV. To manage : q.v.

DELAY (v.t.) : I. To retard : विलम्बयति (c. of लम्ब्), *with wishes, whose fruits were d. ed* : विलम्बितफलैर्मनोरथैः, R. II. To put off, prolong : q.v. विलम्बेन करोति.

DELAY (v.i.) : (1) विलम्बते (लम्ब्, c. 1) ; (2) चिरयति or चिरायते (nomi.), *why my men are d. ing* : किमिति चिरायते मे जनः, P.

DELAY (subs.) : (1) विलम्बः, *whether there will be d. in their way* : अन्तरा वा गच्छतां विलम्ब उत्पत्स्यते न वा, K. ; *without d.* : अविलम्बम् or अविलम्बेन or अविलम्बितम्, Sa. ; (2) व्याप्तेपः (putting off), R.

DELAVER : (1) विलम्बकारिन् (f. णी) (of another) ; (2) विलम्बिन् (f. नी) (lingerer : q.v.)

DELECTABLE : रम्यः (म्या, म्य) : v. Delightful.

DELECTATION : v. Delight, gratification, amusement.

DELEGATE (v.t.) : I. To depute : q.v. II. To assign, commit : q.v.

DELEGATE (subs.) : प्रतिनिधिः : v. Representative commissioner.

DELEGATION : I. Deputing : नियोगः. II. Assigning : अर्पणम्. III. A body of delegates : प्रतिनिधिवर्गः. IV. In law : प्रतिभूः.